Regarding Water crisis in districts of Western Rajasthan

श्री पी. पी. चौधरी (पाली) : सभापति महोदया, आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने के लिए परमिशन दी है, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ । जल संकट से निपटने के लिए राजस्थान में अभी हाल ही में प्रधान मंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बहुत ही ऐतिहासिक और एक सराहनीय कदम पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के संबंध में हुआ है, जिससे जल संकट, चाहे पीने के पानी का हो, चाहे सिंचाई का हो, लगभग 21 जिलों को इस परियोजना से फायदा होगा । इसलिए पूरा राजस्थान प्रधान मंत्री मोदी जी का कृतज्ञ है ।

दूसरा, पूर्वी राजस्थान में यह काम हो गया तो उसी तरह से पश्चिमी राजस्थान में भी यह काम होना चाहिए, जहां पर हमेशा पानी की बहुत कमी रहती है । मेरे लोक सभा क्षेत्र पाली में गर्मियों में रेल के टैंकरों से पानी लाया जाता है । वहां पर राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट आया हुआ है तो इसी तर्ज पर वहां भी पश्चिम राजस्थान नहर परियोजना बनती है तो बहुत सारे जिले जैसे पाली लोक सभा क्षेत्र, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही और कई जिलों को इसका फायदा होगा । इसके साथ-साथ मैं प्रधान मंत्री मोदी जी को इसलिए भी धन्यवाद देना चाहूंगा, क्योंकि उन्होंने दिल्ली-मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर, जो कि देश के 12 इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर में से एक है, उसमें पाली को 922 करोड़ रुपये दिए हैं । इसलिए उद्योग के लिए भी पानी की जरूरत होगी ।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय जल शक्ति मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वे इस पर विचार करें । इसकी एलिजिबिलिटी स्टडी की जाए और इसमें फाइनेंशियली और टेक्निकली क्या सहायता हो सकती है और इसको राष्ट्रीय परियोजना बनाने के लिए क्या किया जा सकता है, उस पर भी विचार किया जाए । मेरा आपके माध्यम से जल शक्ति मंत्री जी से निवेदन है कि वे इस पर काम करें, जिससे पश्चिमी राजस्थान के जो सभी जिले हैं, उनको भी जल संकट से निजात दिलाई जा सके । जल संकट, चाहे पीने के पानी का हो, चाहे सिंचाई का हो या चाहे किसानों या उद्योगों के लिए हो, अगर यह होता है तो एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक कदम होगा ।

माननीय सभापति **:** श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे जी ? उपस्थित नहीं ।